ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८७
दिनांक– शुक्रवार, ११ दिसम्बर, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमषः 19.3 एवं 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 92 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 0.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 19.0 एवं दोपहर में 20.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(12–16 दिसम्बर, 2020)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12–16 दिसम्बर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छाये रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में मध्यम से घने कुहासा छा सकता है। दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 12–14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 8–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- गेहुँ की फसल जो 21–25 दिनों की हो गई हो, में हल्की सिंचाई करें। सिंचाई के 1–2 दिनों बाद प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें। गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दें तो बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई0 सी0 2 लीटर प्रति एकड़ 20–25 किलोग्रम बालू में मिलाकर खेत में सिंचाई से पहले छिड़क दें।
- गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई करें। इसके लिए पी0बी0डब्लू0 373, एच0डी0 2285, एच0डी0 2643, एच0यू0डब्लू0 234, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 14, एन0डब्लू0 2036, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषसित हैं। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम बेबीस्टीन की दर से पहले उपचारित करें। पुनः बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के पूर्व खेत की जुताई में 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 20 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर डालें। जिन क्षेत्रों में फसलों में जिंक की कमी के लक्षण दिखाई देती हो वैसे क्षेत्रों के किसान खेत की अन्तिम जुताई में जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 150 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 125 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेतों की हल्की सिंचाई अवष्य करें ताकि बीजों का समुचित जमाव सुनिष्चित हो सके।
- गेहूँ की फसल में खर–पतवार नियंत्रण की सबसे उपयुक्त अवस्था बोआई के 30 से 35 दिनों बाद होती है। गेहूँ में उगने वाले सभी प्रकार के खरपतवार के नियंत्रन हेतु पहली सिंचाई के बाद सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। ध्यान रहें छिड़काव के वक्त खेत में प्रयाप्त नमी हों।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते, पूरी फसल बरबाद हो जाती है। फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई0सी0 / 1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। सब्जियों वाली फसल में निकौनी करें।
- प्याज के 50–55 दिनों के तैयार पौध की रोपाई करे। इसके लिए खेत को समतल कर छोटी–छोटी क्यारियाँ बनावें। क्यारियों का आकार, चौड़ाई 1.5 से 2. 0 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–5 मीटर रखे। प्रत्येक दो क्यारियों के बीच जल निकासी के लिए नाले अवष्य बनावें। पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दुरी 10 से0मी0 पर रोपाई करे। खेत की तैयारी में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। पिछात प्याज की पौधषाला से खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- अगात मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें। चने, मटर और टमाटर की फसल में फली छेदक कीट निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु फिरोमोन प्रपंश / 3–4 प्रपंश प्रति एकड़ की दर से लगायें। यदि कीट अधिक हो तो बी.टी. नियमन का छिड़काव करे।
- रवी मक्का की अगात फसलों में निकौनी करें तथा नियमित रुप से फसल में कीट एवं रोग–व्याधि की निगरानी करें।
- गत माह के लगाये गये आलू की फसल में पौधों की उँचाई 12–15 से0मी0 हो जाने पर आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें। आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल में निकौनी एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। मक्का एवं लहसुन फसलों में कीट–व्याधी की निगरानी करें।
- दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान पान पर विशेष घ्यान दें। खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें तथा खुले स्थानों पर नही रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 22.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.7 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 12.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी